

20.05
2024

पत्रावली पेक्षा छुई। आदि. वापी एवं वापी स्वयं
उस्थित नहीं। आदि. वापी एवं वापी स्वयं को
बार - 2 आवाज लगाकर शरी. कोर् उस्थित
नहीं। इसलिये इकर पत्रावली अफम हाजरी
एवं अफम पंक्ती में श्वास्त्रि की जाती है,
पत्रावली फौसल शुमार नम्बर से काम की
जाकर कारिवाल काल हो

